VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2366)

Name of Candidate	Sukh Ram		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	370763
Center	Jaipur	Date	01/09/2024

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बारह प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

VisionIAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड B / SECTION A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** डिजिटल प्रभाव के प्रभुत्व वाले युग में कोई परिवार मूल नैतिक सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से कैसे प्रसारित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can the family effectively transmit core moral principles in an era dominated by digital influences? (Answer in 150 words) 10

किसी भी बच्चे या व्यक्ति तथा समाज में मूल्यों के अन्तरोपण में परिवार पहली इकाई होती है तथा पारिवारिक नैतिक सिद्धांत ही व्यक्ति के जीवन का आधार बनते हैं।

परिवार : मूल नैतिक सिद्धांतों का प्रभावी प्रसार

(i) डिजिटल गेजेट्स के यूजिंग ऑफ पीरियड में सहकारिता, सद्भाव जैसे नैतिक सिद्धांतों को प्रसारित कर सकता है।

(ii) डिजिटल एप जैसे कुकु एफएम आदि के माध्यम से पारिवारिक इकोसिस्टम में नैतिक कहानियों को सुना के।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) परिवार अपनी संस्कृति में सभी को शामिल करके सहिष्णुता, न्यायपरायणता, धर्मनिष्ठता जैसे नैतिक सिद्धांत प्रवाहित कर सकता है।

(iv) बच्चों की वृद्ध जनों यथा दादा-दादी, नाना-नानी के पास अनिवार्य उपस्थिति के माध्यम से।

(v) सोशल मीडिया पर धर्मनिरपेक्ष व समरसतापूर्ण कंटेंट का अनुसरण करके।

(vi) 'पेरेंटिंग कंट्रोल' की प्रणाली (फीचर) का उपयोग करके।

अतः डिजिटल युग में प्रतिबद्धता व साहस से परिवार नैतिक सिद्धांतों का प्रसार करने में सक्षम हो सकता है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** हालांकि अंतःकरण सामान्य तौर पर नैतिक निर्णय-निर्माण में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है, लेकिन कभी-कभी इसकी सीमाएं भी होती हैं। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Though conscience generally serves as a crucial guide in ethical decision-making, it is sometimes fraught with limitations. Discuss. (Answer in 150 words) 10

मनुष्य के क्रियाकलापों को निर्देशित करने वाली आंतरिक शक्ति अंतःकरण है जिसे गांधी जी ने न्याय की अदालत से भी ऊँची अदालत कहा है।

अंतःकरण: नैतिक निर्णय निर्माण में महत्वपूर्ण मार्गदर्शक

(i) यह बाह्य दबावों से मुक्त होती है

(ii) यह अंतरात्मा की आवाज होती है जो सदइच्छा से प्रेरित होती है।

(iii) गाँधी के अनुसार एक मात्र तानाशाह जिसकी मैं सुनता हूँ वह है अंतरात्मा।

(iv) यह सामान्यतः व्यक्ति के जीवन के अनुभव, विवेक, न्यायशीलता की एक शक्ति के रूप में स्थापित होती है। जैसे -

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गाँधी जी ने अपनी अंतरात्मा के आधार पर कई ब्रिटिश कानूनों को अनैतिक पाया।

अन्तःकरण की सीमाएँ

(i) यह कभी-कभी पूर्वाग्रह से प्रेरित हो सकती है।

(ii) कभी-कभी भावनाओं की अतिरेकता का प्रभाव भी इस पर महसूस किया गया है।

(iii) यह दिल व दिमाग के संघर्ष में केवल दिल को प्रामाणिक मानती है लेकिन कई बार कुछ निर्णय अन्तःकरण के बजाय तथ्य आधारित होते हैं।

अतः कुछ सीमाओं के बावजूद भी अन्तःकरण एक प्रामाणिक, न्यायनिष्ठ मार्गदर्शक है जिसका अनुकरण लोकसेवा में होना चाहिए।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) सार्वजानिक धन के उपयोग को किन नैतिक सिद्धांतों के आधार पर नियंत्रित किया जाना चाहिए? बड़े निगमों को उबारने(bail out) के लिए करदाताओं के पैसे का उपयोग करने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What ethical principles should govern the utilization of public funds? Discuss the moral implications of using taxpayer money to bail out large corporations. (Answer in 150 words) 10

नैतिक सिद्धांत कुछ नैतिक प्रतिमानों का समुच्चय होते है जिसके आधार पर किसी व्यक्ति को उचित, अनुचित; सही, गलत ठहराया जाता है।

सार्वजनिक धन का उपयोग: नैतिक सिद्धांत

(i) उपयोगितावादी सिद्धांत - अधिकतम लोगों का अधिकतम हित हो

(ii) मितव्ययिता का सिद्धांत - सार्वजनिक धन को अत्यावश्यक मदों के रूप में व्यय किया जाना चाहिए।

(iii) जनकल्याण का सिद्धांत - जनहित के लिए आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी सामाजिक अवसंरचना में व्यय हो।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निगमों को उबारने के लिए करदाताओं के धन के उपयोग का निहितार्थ :-

① यह करदाताओं में प्रेरणा को क्षीण कर सकता है

② इससे PSU में भ्रष्टाचार को अधिक बढ़ावा मिल सकता है

③ यह प्रक्रिया निगमों की दक्षता तथा फिजकल (Fiscal) Capicity को कम कर सकता है

④ यह जनकल्याण कारी राज्य की अवधारणा को न्यून कर सकता है

⑤ यह करदाताओं को अनैतिक होने को बाध्य भी कर सकता है

अतः सार्वजनिक निधियों को उपयोग दक्ष, प्रभावी, न्यायनिष्ठ तरीके से होना चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) ईमानदारी का अर्थ केवल भ्रष्ट या बेईमान आचरण मे बचना नहीं है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Probity means more than just the avoidance of corrupt or dishonest conduct. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

ईमानदारी एक नैतिक व मानवीय मूल्य है जो व्यक्ति को जीवन के प्रत्येक स्तर पर नैतिक बने रहने की प्रतिज्ञा से आबद्ध करता है।

ईमानदारी : केवल भ्रष्ट/बेईमान आचरण से बचना नहीं है।

(i) पारिवारिक मूल्यों का निर्वहन

(ii) सामाजिक कुरीतियों का तर्क आधारित खण्डन जैसे अश्विनी डोड लिंगापोर ने हजारों लड़कियों का बाल विवाह रुकवाया

(iii) ट्रैफिक सिग्नल की अनुपालना

(iv) धर्म निभाना जैसे - राजधर्म, मित्रधर्म

(v) बिना किसी दबाव के करों का समय पर भुगतान करना

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(vi) स्व अनुशासन से अध्ययन करना व माता- पिता के धन का दुरुपयोग नहीं करना

(vii) अपने पदीय कर्त्तव्यों को अच्छी तरह से निभाना

Eg. IAS प्रेमप्रकाश - 'न्याय आपके द्वार' पहल

(viii). उत्तरदायित्व ग्रहण करने की तत्परता

जैसे IAS निशांत जैन ने सरकार की चिरंजीवी योजना से अपने जिले को चिरंजीवी बनाया

(ix) समयबद्ध प्रतिक्रियाशीलता व पारदर्शिता

अतः ईमानदारी एक दृढ़ अवधारणा है जो जीवन के प्रत्येक स्तर पर आवश्यक हो

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण आपको क्या संदेश देते हैं।

What does the following quotation convey to you in the present context.

(a) "किसी व्यक्ति को नैतिकता के बजाय मानसिक रूप से शिक्षित करना समाज के लिए खतरा पैदा करना है।" - थियोडोर रूजवेल्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To educate a man in mind and not in morals is to educate a menace to society." - Theodore Roosevelt (Answer in 150 words) 10

नैतिकता किसी मानवीय कृत्य को अच्छा या बुरा बनाने वाली धारणाओं का सेट है।

नैतिकता के बजाय मानसिक रूप से शिक्षित व्यक्ति : निहितार्थ

(i) थियोडोर रूजवेल्ट का मानना है कि नैतिकता विहीन शिक्षा

- दुष्कर्म
- असहिष्णुता
- शोषण
- समाज में आतंक
- समाज में चोरी
- समाज में हिंसा, उपद्रव
- बलात्कार, असमानता

आदि का कारण बन सकती है

(ii) ऐसी शिक्षा मनुष्य को साध्य के बजाय

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

साधन मानकर दोहन कर सकती है जो वस्तुतः मानवीय गरिमा के खिलाफ है।

(iii) नैतिकताविहीन सामाजिक प्राणु एक पशु का रूप धारण कर सकता है जो:

- बच्चों के साथ यौन दुर्व्यवहार कर सकता है
- महिलाओं की गरिमा के साथ खिलवाड़ e.g. कोलकाता मर्डर केस

(iv) नैतिकता चारित्रशीलता, संवेदनशीलता, न्याय-परायणता को पोषित करती है वहीं मानसिक रूप से शिक्षित व्यक्ति इसके अभाव में समाज की मूलभूत संस्थाएँ परिवार, विवाह आदि के लिए विनष्टि का कारण बन सकता है

अतः नैतिकता युक्त शिक्षा ही किसी भी समाज में गरिमा, न्याय, प्रेम आदि मूल्यों को पोषित कर सकती है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) "असफलता बस फिर से शुरू करने का अवसर है, इस बार और अधिक समझदारी से।" - हेनरी फ़ोर्ड (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Failure is simply the opportunity to begin again, this time more intelligently." - Henry Ford (Answer in 150 words) 10

असफलता वस्तुतः मनुष्य के प्रयासों के समुच्चय का उचित परिणाम न दे पाने की प्रक्रिया है न कि स्थायी स्थिति।

हेनरी फोर्ड के अनुसार

(i) असफलता आपको मौका देती है

- प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने का
  - विचार-विमर्श की शैली के साथ पुनः कार्य प्रारंभ करने का
- कमियों को पहचानने का
  - तार्किकता के आधार पर आत्मचिंतन का
  - सभी पक्षों के आधार पर पुनः मूल्यांकन करने का

(ii) असफलता हमें कार्यशैली में वांछित

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परिवर्तन कर उन पर अमल करने की सीख देती है

(iii) यह हमें समय देती है कि आप अपनी समझ को बहुआयामी बनाकर फिर से प्रयास करें।

Eg. सतीश धवन - ISRO - SLV की 1st लॉंच विफल - but 2nd - SLV - सफल.

(iv) यह व्यक्ति को निर्णयों की प्रक्रिया में विविध दृष्टिकोण शामिल करने की प्रेरणा भी देती है।

अतः असफलता एक प्रक्रिया है न कि ~~विफलता~~ विकल्प इसलिए अधिक समझदारी के साथ प्रयास करके सफल हुआ जा सकता है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (c) "युद्ध के समय कानून मौन रहते हैं।" - सिसरो (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Laws are silent in times of war." - Cicero (Answer in 150 words) 10

युद्ध एक निगेटिव ऑब्जेक्ट है जो वस्तुतः हिंसा, मानवीय गरिमा की विकृति, आर्म्स रेस आदि को संस्थागत स्वरूप प्रदान करता है।

युद्ध के समय कानून मौन रहते हैं

(i) सिसरो के अनुसार

↳ मानवीय गरिमा की रक्षा का कारण

↳ मानवाधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणापत्र

↳ जीवन जीने का अधिकार का कानून राष्ट्रों की विधियों में मौन धारण करते है

जैसे - रूस के हमले से यूक्रेन में 40 बच्चों की मौत

- इजरायल - फिलिस्तीन युद्ध

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) युद्ध हमेशा दो या अधिक शक्तियों द्वारा लड़ा जाता है जो कानूनों को इग्नोर करती है।

(iv) राष्ट्र युद्ध में केवल 'विजय' पर केन्द्रित रहते हैं।

(v) बहुपक्षीय संस्थाएँ केवल प्रस्ताव पारित करने मात्र से इतिश्री कर लेती हैं।

(vi) वैश्विक शांति के प्रयास के बजाय हथियार आपूर्ति कर अधिक आग भड़काई जाती है।

अतः अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता, ग्लोबल इंस्टीट्यूशन की सांगठनिक शक्ति को मजबूत करके ही कानूनों को युद्ध की स्थिति में भी क्रियान्वित करके हम वैश्विक शांति की स्थापना का प्रयास कर सकते हैं।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) अच्छा कॉर्पोरेट शासन बौद्धिक ईमानदारी से संबंधित होता है, न कि केवल नियमों और विनियमों से जुड़े रहने से। उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Good corporate governance is about intellectual honesty and not just sticking to rules and regulations. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

कंपनी जिन नियमों, विनियमों व प्रक्रियाओं से संचालित होती है वह कॉर्पोरेट शासन कहलाता है।

अच्छा कॉर्पोरेट शासन : बौद्धिक ईमानदारी

(i) अच्छा कॉर्पोरेट शासन

- सामाजिक दायित्व निभाना
- अनैतिक प्रथाओं का त्याग
- पर्यावरण अनुकूल क्रियाएँ
- करों का नियमित भुगतान
- कर अपवंचन की प्रक्रिया से दूरी
- अपनी दायित्वचेतना से स्टेकहॉल्डर्स का हित

(ii) यह अपनी प्रकार्यात्मक भूमिका से

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हमेशा पारिचित होता है

(iii) यह CSR द्वारा पर्यावरणीय नकारात्मक बाह्यताओं को संतुलित करने का प्रयास करता है
Eg HPCL - प्रोजक्ट बूंद
वेदांता - नंदघर परियोजना आदि।

(iv) यह इनसाइडर ट्रेडिंग, शॉर्ट सेल जैसी अवैधानिक व अनैतिक प्रथाओं को रोकने का प्रयास करता है

(v) वास्तविक स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति, चुनाव कर शेयरधारकों के साथ हितधारकों का भी हित चाहता है

अतः नैतिक रूप से बुद्धिमान लोगों, संस्थाओं को हमेशा कानून की आवश्यकता नहीं होती। वे अपना नैतिक दायित्व बखूबी निभाते है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) सामान्य तौर पर, किसी संगठन में जितना ऊंचा पद होता है, भावनात्मक बुद्धिमत्ता उतनी ही अधिक महत्त्व रखती है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In general, the higher a position in an organization, the more emotional intelligence matters. Do you agree with this view? Give reasons in support of your answer. (Answer in 150 words) 10

भावनात्मक बुद्धिमता से तात्पर्य एक व्यक्ति द्वारा अपनी व अन्य लोगों की भावनाओं को समझकर उसका उचित प्रबंधन कर उपयोग करना है।

भावनात्मक बुद्धिमता : संगठन में पद से संबंध

(i) उच्च पद के व्यक्ति के अधीनस्थ अधिक होते है।

(ii) उसके निर्णय अधिक लोगों को प्रभावित करते है

(iii) उसकी क्रियाप्रणाली अधिक लोगों के अनुकरण का आधार बनती है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसलिए उच्च पद के प्राप्ति के लिए उतनी ही अधिक भावनात्मक बुद्धिमता की अपेक्षित होती है।

<u>समर्थन में कारण</u>

(i) <u>सांगठनिक हितों</u> की अधिक पूर्ति होती है

(ii) <u>अन्तर्वैयक्तिक संबंध</u> मजबूत होते हैं

(iii) <u>संगठन/संस्था</u> चुनौतियों का सामना <u>अधिक प्रभावशीलता</u> से कर पाती है

(iv) संगठन/<u>संस्था की उत्पादकता</u> बढ़ती है

(v) विश्वसनीयता में वृद्धि होती है तथा <u>कार्मिकों को अपनापन</u> का अहसास होता है

Eg. <u>टाटा कंसल्टेंसी सर्विस</u> (TCS)

अतः पद के अनुरूप E.I. का होना अत्यावश्यक है ताकि नैतिक-आर्थिक लक्ष्यों में संतुलन लाया जा सके

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) तटस्थता और गैर-पक्षपात के अलावा, सहिष्णुता एवं समावेशिता अन्य महत्वपूर्ण मूल्य हैं जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोक सेवकों को अधिक सक्षम बनने में मदद करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In addition to neutrality and non-partisanship, tolerance and inclusion are other important values that facilitate the civil servants to be more competent in a diverse country like India. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

भारतीय संविधान में अनुच्छेद - 312 लोक सेवा को 'स्टील फ्रेम' कहा गया है जो हमेशा निजी हितों पर सार्वजनिक हितों को महत्व देते हैं।

भारतीय लोक सेवा : मूल्य

(i) तटस्थता लोक सेवक को राजनीतिक कार्यपालिका को उचित निर्णय लेने के लिए तार्किक इनपुट प्रदान करती है।

(ii) गैर-पक्षपात लोक सेवकों को
- → योजनाओं के लक्षित वितरण
- → भाई-भतीजावाद में कमी
- → सार्वजनिक धन का सदुपयोग के लिए प्रेरित करती है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में सहिष्णुता व समावेशिता

(i) सहिष्णुता

(a) यह संवैधानिक नैतिकता की स्थापना में सहायक

(b) सर्वधर्म समभाव के साथ विकास - PM जनविकास योजना उस्ताद, रोशनी पहल

(c) न्यायपरायणता, कर्तव्यपरायणता में वृद्धि

(ii) समावेशिता -

(a) आय संकेन्द्रण को रोकने में

(b) भ्रष्टाचार को कम करने में

(c) योजनाओं के लक्षित लाभार्थियों को लाभ पहुँचाने में

(d) फाइल के ऊपर फील्ड को प्राथमिकता

अतः सहिष्णुता व समावेशिता द्वारा लोकसेवा को अधिक न्यायनिष्ठ, कर्तव्यपरायण बनाया जा सकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? भारत में प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the key principles of public service delivery? Discuss the challenges associated with providing effective public service delivery in India. (Answer in 150 words) 10

राज्य की सेवाओं का लक्षित लोगों तक वितरण सार्वजनिक सेवा वितरण कहलाता है।
जैसे PDS प्रणाली।

सेवा वितरण के मुख्य सिद्धांत

(i) समयबद्ध सेवा वितरण
↳ सार्वजनिक सेवाओं का तय समय सीमा में वितरण कर समावेशिता को प्रमोट करना तथा जनविश्वास।

(ii) प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली
↳ जिससे मूल्यांकन, पुनः मूल्यांकन का अवसर मिलता है।
↳ सेवा की दक्षता
↳ गुणवत्ता बढ़ती है

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) पारदर्शिता व जवाबदेहिता

Eg. IMPDS पोर्टल, e-ग्राम स्वराज पोर्टल

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण में चुनौतियाँ

(i) जनता के सहयोग का अभाव

(ii) कार्मिकों में तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव

(iii) पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के उचित क्रियान्वयन का अभाव

(iv) लीकेज, भ्रष्टाचार, अनियमितता

(v) बॉटम अप एप्रोच का अभाव

(vi) प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली व फीडबैक प्रणाली का अभाव।

अतः e-gov, डिजिटलीकरण, तकनीकी कौशल द्वारा सार्वजनिक सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) जब संधारणीय विकास के प्रति अभिवृत्तिक परिवर्तन की बात आती है, तो व्यवहारिक प्रेरणा ही आगे की राह है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

When it comes to attitudinal change towards sustainable development, behavioural nudges are the way forward. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

संधारणीय विकास से तात्पर्य आवी पीढ़ी के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए वर्तमान में संसाधनों का दोहन करने से है।

संधारणीय विकास के प्रति अभिवृत्तिक परिवर्तन

(i) आज के विश्व की अभिवृत्ति
- → संसाधनों का अत्याधिक दोहन
- → ग्रह हमें विरासत में मिला है
- → हम क्यों पर्यावरण की चिंता करें
- → हम अकेले का दायित्व नहीं है

(ii) उपभोक्तावादी अभिवृत्ति के कारण संधारणीय विकास असंधारणीय हो गया है।

(iii) अभिवृत्तिक परिवर्तन 'e-फ्लो' के लिए आवश्यक है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अभिवृत्तिक परिवर्तन के लिए व्यावहारिक प्रेरणा

① सिद्धांतों के बजाय क्रियान्वयन
eg. भारत - मिशन LiFE
प्रकृति पूजा, वृक्षारोपण
एक पेड़ माँ के नाम आदि।

② असंधारणीय विकास के दुष्परिणामों के बारे में जागरूकता के माध्यम से
eg. पहाड़ों में भू-स्खलन, हिमस्खलन

③ विश्व के समक्ष ग्रीन डेवलपमेंट की महत्ता व प्रयासों को रखकर।
eg भारत - 2025 तक 20% बायोफ्यूल

अतः अभिवृत्तिक परिवर्तन के माध्यम से हम संधारणीयता की ओर बढ़ सकते हैं।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) मदर टेरेसा के जीवन से क्या सबक सीखा जा सकता है? समकालीन विश्व में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

What lessons can be learnt from the life of Mother Teresa? Discuss their relevance in the contemporary world. (Answer in 150 words) 10

मदर टेरेसा एक सामाजिक-मानवीय कार्यकर्ता थी जिन्होंने अपने मूल्यों के आधार पर जनसेवा को साध्य समझा।

मदर टेरेसा के जीवन से सबक

(i) जनसेवा - दूसरों की भलाई में खपा देना
(ii) करुणा - जो मानव को पशु प्रवृत्ति धारण से रोकती है
(iii) परोपकार - दानेन कुल्यो विधिरस्ति नान्यो की परम्परा
(iv) समानुभूति - गरीबी में मदद करना
(v) दायित्वचेतना तथा कर्त्तव्यपरायणता
(vi) सत्यनिष्ठा

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समकालीन विश्व में प्रासंगिकता

(i) विश्व की आय असमानता को कम किया जा सकता है

(ii) करुणा - क्राउडफंडिंग से किसी गरीब का इलाज करवाया जा सकता है

(iii) भुखमरी, गरीबी से निपटने के लिए राष्ट्रों को दान के लिए प्रेरित किया जा सकता है

(iv) मानवता को साधन के बजाय साध्य समझने की कांट की अवधारणा को मदर टेरेसा के जीवन के आधार पर पुष्पित पल्लवित किया जा सकता है

अतः विश्व बंधु की अवधारणा के लिए मदर टेरेसा का जीवन अनुकरणीय है

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप एक ऐसे शहर के पुलिस अधीक्षक हैं, जहां के किसी मंदिर में एक प्रमुख धार्मिक उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दस लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने की संभावना है, जो मंदिर की अवसंरचनात्मक क्षमता से कहीं अधिक है। व्यापक योजना और एहतियाती उपायों के बावजूद, मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई, जिससे कई लोग हताहत हुए और अनेक लोग घायल हो गए। स्थिति इतनी अधिक गंभीर हो गई कि मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई है।

इस जटिलता को और गंभीर बनाते हुए, व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खबरें तेजी से प्रसारित हो रही हैं, जिसमें भगदड़ को सांप्रदायिक झड़पों से जोड़कर दिखाया जा रहा है। ये फर्जी खबरें आम जनता में व्यापक दहशत पैदा कर रही हैं और इनसे जिले में सांप्रदायिक दंगों के भड़कने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

पुलिस अधीक्षक के रूप में, आप स्वयं को इस संकट के केंद्र में पाते हैं, जहां आपके सामने भगदड़ के तत्काल बाद की स्थिति को संभालने तथा संभावित रूप से खतरनाक गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने की दोहरी चुनौती विद्यमान है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) स्पष्ट कीजिए कि आप एक पुलिस अधीक्षक के रूप में, भगदड़ की स्थिति से निपटने और सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए क्या उपाय अपनाएंगे।

(c) चर्चा कीजिए कि इन उपायों को लागू करते समय, विशेष रूप से सार्वजनिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत अधिकारों एवं धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए, आपको किन नैतिक बातों को ध्यान में रखना चाहिए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Superintendent of Police in a city hosting a major religious festival at a temple. The event is expected to attract over a million pilgrims, far exceeding the temple's infrastructure capacity. Despite extensive planning and precautionary measures, a sudden crowd surge near the main shrine entrance has resulted in a stampede, causing multiple casualties and numerous injuries. The situation has escalated, with panic spreading among the devotees present at the temple.

Adding to the complexity, instances of fake news are rapidly circulating through WhatsApp groups and social media platforms, falsely attributing the stampede to communal clashes. This misinformation is causing widespread panic among the general public and threatens to ignite communal riots in the district.

As the Superintendent of Police, you find yourself at the center of this crisis, faced with the dual challenge of managing the immediate aftermath of the stampede and countering the spread of potentially dangerous misinformation.

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) Identify the key stakeholders involved in this case.

(b) Explain the measures you, as the Superintendent of Police, will take to address the stampede situation and curb the spread of fake news through social media.

(c) Discuss the ethical considerations you must keep in mind while implementing these measures, particularly in balancing public safety with individual rights and religious sentiments. (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस स्टडी में सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण, उत्तरदायित्व ग्रहण करने में तत्परता, निष्पक्षता जैसे मूल्यों की अपेक्षा है

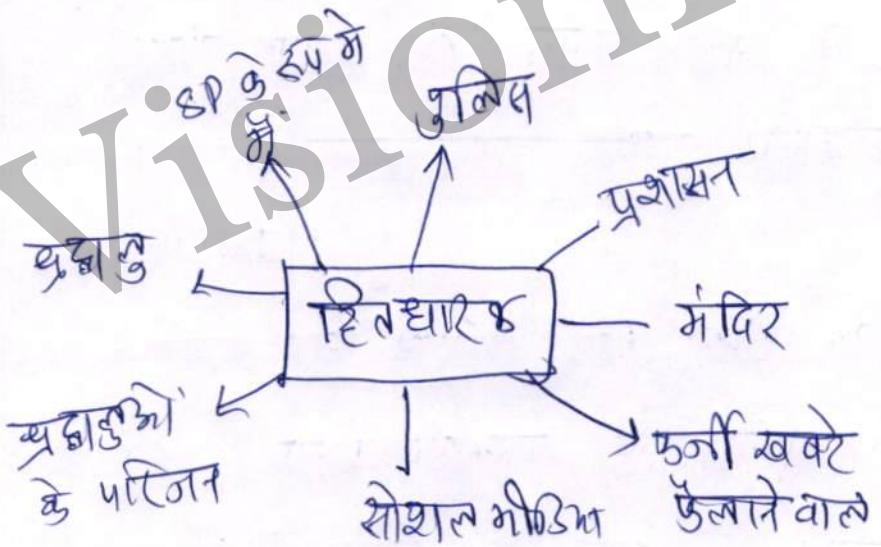

ब) सोशल मीडिया की फर्जी खबरों को रोकने के लिए

(i) सर्वप्रथम सर्वाधिक प्रचलित न्यूज चैनल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से तुरंत संपर्क कर व्यापक जनहित में प्रचारित किया जाएगा कि मिथ्या सूचनाएँ प्रचारित होने से दहशत में न आएँ और शांति बनाये रखें

(ii) जिला पुलिस अधीक्षक के सोशल मीडिया पेज से आमजन से अपील कि स्थिति को नियंत्रण में कर रहे है और अफवाहों पर ध्यान न दें।

(iii) अफवाहों के स्क्रीनशॉट साझा कर स्पष्ट संकेत करना कि ये अफवाह हो

(iv) एक शॉर्ट वीडियो विकल्प के माध्यम से अफवाहों को खारिज करना

(v) अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई के लिए तुरंत निर्देश देना

(vi) सोशल मीडिया कंपनियों के क्षेत्रीय कार्यालय से अफवाहों के पोस्ट को मिटाने का अनुरोध

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* मुझे निम्नलिखित नैतिक बातों का ध्यान रखना चाहिए :-

(i) अति क्रियाशीलता में किसी भी धर्म विशेष पर नकारात्मक टिप्पणी से बचना

(ii) शब्दों के संयमित प्रयोग के साथ फर्जी खबरों को फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

(iii) धार्मिक मुद्दे अत्यंत संवेदनशील होते हैं तथा सांप्रदायिकता के विचार पर आधारित दरशात को तथ्यों के आधार पर नकारना

(iv) मंदिर की क्षमता व उपलब्ध श्रद्धालुओं की वास्तविक संख्या के आधार पर यह तथ्य रखना कि अधिक मात्रा में

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

श्रद्धालुओं के कारण भगदड़ मची है

(v) सार्वजनिक सुरक्षा की दृष्टि से राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) से कुंभ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तस्वीरें से यथास्थिति को दर्शाता ताकि लोगों में अनावश्यक संदेह न हो।

(vi) अनावश्यक तथ्य तथ्यों की अनुपलब्धता में किसी पर कार्रवाई करने या सोशल मीडिया पेज ब्लॉक करने से बचना क्योंकि यह अभिव्यक्ति की आजादी का उल्लंघन होगा।

अतः सोशल मीडिया के दुष्प्रचार को नियमित करने के लिए जनभागीदारी द्वारा निपटा जाना चाहिए और लोक व्यवस्था स्थापित की जानी चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रवि शर्मा एक प्रमुख बोतलबंद पानी की कंपनी द्वारा प्रस्तावित लाभकारी विज्ञापन अनुबंध को लेकर नैतिक दुविधा में फंस गए हैं।

हालांकि, बोतलबंद पानी की कंपनी शराब के एक प्रमुख ब्रांड की सहायक कंपनी है और पानी की बोतलों पर भी वही ब्रांडिंग की गई है जो शराब उत्पादों पर की गई है। विज्ञापन अभियान एक स्वस्थ उत्पाद को बढ़ावा देने की आड़ में शराब ब्रांड की छवि को मजबूत करने के लिए बनाया गया है।

रवि को अपनी सामाजिक रूप से जिम्मेदार छवि और स्वस्थ जीवन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। वह शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हैं, क्योंकि शराब से संबंधित बीमारी के कारण उनके परिवार के एक सदस्य की मृत्यु हो गई थी। हालांकि, इस विज्ञापन अनुबंध से मिलने वाला वित्तीय लाभ काफी अधिक है और यह रवि के परोपकारी कार्यकलापों, विशेषकर वंचित समुदायों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की उसकी पहलों को काफी हद तक समर्थन प्रदान कर सकता है।

यह स्थिति रवि को दुविधा में डाल देती है, जहां उसे दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प अर्थात वह अप्रत्यक्ष रूप से शराब के सेवन को बढ़ावा देने वाले अनुबंध को स्वीकार कर सकता है या फिर नैतिक आधार पर उसे अस्वीकार कर सकता है, जिससे उसे अपने परोपकारी कार्यों के लिए बड़ी धनराशि से हाथ धोना पड़ सकता है, का चयन करना पड़ेगा।

(a) रवि द्वारा बोतलबंद पानी के उत्पाद का विज्ञापन करने के निर्णय में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों के व्यापक निहितार्थों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता व्यवहार पर उनके प्रभावों की चर्चा कीजिए।

(c) रवि जैसी लोक हस्तियां विज्ञापन उद्योग में नैतिक व्यावसायिक कार्यपद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व का उपयोग कैसे कर सकती हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravi Sharma, a renowned movie actor, finds himself in an ethical dilemma regarding a lucrative endorsement deal offered by a prominent bottled water company.

However, the bottled water company is a subsidiary of a major alcohol brand, and the water bottles carry the same branding as the alcohol products. The advertising campaign is designed to reinforce the alcohol brand's image under the guise of promoting a healthy product.

Ravi is known for his socially responsible public image and advocacy for healthy living. He is deeply aware of the harmful effects of alcohol, having lost a close family member to an alcohol-related illness. However, the financial reward from this endorsement deal is substantial and could significantly support Ravi's philanthropic activities, particularly his initiatives for providing education and healthcare to underprivileged communities.

This situation places Ravi at a crossroads, forcing him to choose between accepting a deal that could indirectly promote alcohol use and rejecting it on ethical grounds, potentially foregoing significant funding for his charitable work.

(a) What are the ethical issues involved in Ravi's decision to endorse the bottled water product?

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) Discuss the broader implications of celebrity endorsements and their influence on public health and consumer behaviour.

(c) How can public figures like Ravi use their influence to promote ethical business practices in the advertising industry? (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस स्टडी में सरोगेट एडवर्टाइजिंग की स्थिति प्रस्तुत है तथा रवि से अपने मूल्यों को व्यवहार में लाने व व्यापक जनहित के आधार पर निर्णय लेने की अपेक्षा है।

हितधारक → रवि
→ कंपनी
→ आम जनता
→ समाज
→ परोपकारिता से लाभान्वित व्यक्ति

(a) निर्णय में नैतिक मुद्दे :-

① अनैतिक प्रथाओं का अप्रत्यक्ष समर्थन

② अपने मूल्यों के खिलाफ जाकर धन कमाना

③ परोपकारिता के लिए अनैतिक प्रथाओं से

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निधियन

(4) व्यापक जनहित की उपेक्षा

(5) रवि की सामाजिक छवि व प्रतिष्ठा को हानि

(6) प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में जिम्मेदारी व जवाबदेहिता।

(b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों के व्यापक निहितार्थ

(i) धन कमाना

(ii) अपनी पहुँच बढ़ाना।

(iii) अपनी फिल्म का अप्रत्यक्ष प्रचार-प्रसार

(iv) कथनी-करनी में अंतर

(v) आदर्श बनाम वास्तविकता को प्रभावित करना

(vi) मिथ्या सूचना के आधार पर निर्णयन का लाभ

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सार्वजनिक स्वास्थ्य व उपभोक्ता व्यवहार पर प्रभाव

(i) उपभोक्ता शराब सेवन के लिए प्रेरित हो सकते है।

(ii) शराब सेवन से किडनी, लिवर में समस्या हो सकती है।

(iii) उपभोक्ताओं को अप्रत्यक्ष रूप से Persuade किया जा सकता है

(iv) उपभोक्ताओं की चयन की स्वतंत्रता के अधिकार भी प्रभावित हो सकते है।

(c) **नैतिक व्यावसायिक कार्यपद्धतियों के लिए प्रभावशाली व्यक्तित्व का प्रयोग**

① ~~जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार~~ - रवि वास्तविक रूप से जिन वस्तुओं का प्रयोग करते है केवल उन्हीं का प्रचार करें।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② सरोगेट एडवर्टाइजिंग की प्रथा को रोकने के लिए रवि यह ऑफर अस्वीकार कर दें।

③ रवि अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने द्वारा विज्ञापन किए गए उत्पादों से संबंधित अपनी नैतिकता भी प्रदर्शित करें।

④ रवि यह स्पष्ट कर सकते हैं कि मेरे द्वारा विज्ञापन किए गए उत्पाद भी आप अपने विवेक से खरीदें।

⑤ किसी भी सेलिब्रिटी के अंधानुकरण को रोकने के लिए उपभोक्ता शिक्षा को प्रमोट कर सकते हैं।

अतः रवि को एक उदाहरण पेश कर मिसाल बनना चाहिए ताकि भविष्य में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जा सके।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. आप एक कृषि प्रधान जिले में जिला मजिस्ट्रेट के पद पर नियुक्त हैं। हाल ही में, इस क्षेत्र में बेमौसम वर्षा हुई है, जिससे फसलों को अत्यधिक क्षति हुई है और किसान समुदाय भी संकट के कगार पर पहुंच गया है। खाद्यान्न खरीद प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

आपको किसानों से अनाज खरीदने वाले गोदामों में व्यापक कदाचार की रिपोर्टें मिली है। इन भ्रष्ट गतिविधियों में खरीद प्रक्रिया में जानबूझकर विलंब करना, तौल के पैमानों में हेरफेर करना, मनमाने तरीके से गुणवत्ता को अस्वीकार करना और हताश किसानों से रिश्वत की मांग करना शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को अत्यधिक वित्तीय हानि हुई है, कई किसान तो अपना लागत मूल्य भी वसूल नहीं कर पा रहे हैं।

कई किसान अपनी उपज बेचने में असमर्थ हैं जबकि अन्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से बहुत कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए विवश हैं। इससे कृषक समुदाय के लिए वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया है।

आपको इस जटिलता को और अधिक गंभीर बनाने वाली एक रिपोर्टें मिलती हैं जिससे पता चलता है कि कुछ स्थानीय राजनेता और प्रभावशाली व्यवसायी इन भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल हैं और किसानों की दुर्दशा से लाभ उठा रहे हैं। यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो संभावित किसान विरोध प्रदर्शनों एवं आंदोलनों के शुरू होने की भी अफवाहें हैं।

जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपके सामने तात्कालिक संकट और इस स्थिति को जन्म देने वाले प्रणालीगत मुद्दों जिनके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, दोनों से निपटने की चुनौती है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।

(b) प्रभावित कृषक समुदाय को राहत प्रदान करने के लिए आपके द्वारा अपनाए जाने वाले तात्कालिक उपायों पर चर्चा कीजिए।

(c) आपके द्वारा चुने गए उपाय को क्रियान्वित करते समय आपके समक्ष आने वाली नैतिक दुविधाओं पर चर्चा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि आप उनसे कैसे निपटेंगे। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the District Magistrate in a predominantly agricultural district. Recently, the region has been hit by unseasonal rainfall, causing severe crop damage and pushing the farming community to the brink of crisis. The situation is further exacerbated by widespread corruption in the food grain procurement system.

You have received reports about rampant malpractices in the warehouses responsible for procuring food grains from farmers. These corrupt practices include deliberate delays in the procurement process, manipulation of weighing scales, arbitrary quality rejections, and demands for bribes from desperate farmers. As a result, farmers are facing significant financial losses, with many unable to recover even their input costs.

Many farmers are unable to sell their produce, while others are forced to sell at prices far below the Minimum Support Price (MSP). This has led to financial distress for the farming community.

Adding to the complexity, you have received reports suggesting that some local politicians and influential businessmen are involved in these corrupt practices, benefiting from the farmers' misery. There are also rumors of potential farmer protests and agitations if immediate action is not taken.

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

As the District Magistrate, you are faced with the challenge of addressing both the immediate crisis and the systemic issues that have led to this situation.

(a) Identify the key stakeholders involved in this case and their respective interests.

(b) Discuss the immediate measures you will take to provide relief to the affected farming community.

(c) Discuss the ethical dilemmas you might face while implementing your chosen course of action and how you would navigate them. (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस स्टडी में जनकल्याण, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण, प्रभावी प्रशासनिक प्रणाली आदि मुद्दों को उठाया गया है।

(a) हितधारक व उनके हित

(1) किसान - उचित मूल्य, भ्रष्टाचार से नुकसान उचित खरीद के अभाव में वित्त की कमी इत्यादि।

(2) DM के रूप में मैं - जनता का कल्याण, किसानों के लिए उचित प्रयास भ्रष्टाचार को रोकना

(3) स्थानीय राजनेता व व्यापारी - अधिकलाभ

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कमाना
- किसानों की स्थिति का लाभ उठाना

(v) राज्य सरकार - किसानों को उचित मूल्य प्रदान करना

(b) कृषक समुदाय को राहत प्रदान के लिए तात्कालिक उपाय :-

(i) किसानों को बेमौसम हुई क्षति के लिए तुरंत राज्य सरकार को सूचित करना

(ii) जिन किसानों का फसल बीमा है उनको क्लेम करने की प्रणालीगत जानकारी प्रदान करना

(iii) गोदाम प्रणाली में निहित भ्रष्टाचार का औचक निरीक्षण

(iv) गोदाम में माप-तौल, गुणवत्ता में

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनियमितताओं के लिए उत्तरदायी व्यक्ति पर तुरंत कार्रवाई का निर्देश

(v) जिला स्तरीय कृषि वैज्ञानिकों की कुछ समय की उपस्थिति के आधार पर किसानों की फसलों की खरीद की प्रक्रिया को सुचारु बनाना।

(vi) * गोदाम प्रणाली जिस SDM व DSP के कार्यक्षेत्र में आती है उन्हें कुछ दिन तक लगातार सुचारु प्रणाली के लिए निर्देश देना।

(vii) किसानों को निधि स्थानांतरण की DBT आधारित प्रणाली को सक्रिय करना।

© उपायों को क्रियान्वित करने में आने वाली नैतिक दुविधाएँ तथा उनका निपटान :-

① गोदाम प्रणाली में विसंगतियों तथा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यापारियों के व्यवसाय के अधिकार के मध्य संतुलन स्थापित करना

* इससे निष्पक्षता, तटस्थता के आधार पर निपटा जा सकता है।

② स्थानीय नेताओं की संलिप्तता मुद्दे को जटिल बनाएगी लेकिन तथ्य आधारित कानूनी कार्रवाई अधिकारों के अतिक्रमण की अफवाह फैलने नहीं देगी।

③ कृषकों की फसलों की गुणवत्ता व वास्तविक मूल्यांकन करने में दुविधा लेकिन इसके लिए जिला स्तरीय प्रमाणित व्यापारियों की मदद ली जा सकती है।

अतः पुष्ट लोकदेय के रूप में अधिकतम लोगों का अधिकतम कल्याण व सुशासन ही मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. हाल ही में एज़टैक के इंडिया डिवीजन के प्रमुख के रूप में नियुक्त श्री वी, कंपनी के शिशु आहार उत्पादों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण नैतिक दुविधा का सामना कर रहे हैं। हाल ही में, यह बात लोगों के ध्यान में आई है कि भारत में एज़टैक के शिशु उत्पादों में एक बार के आहार के रूप में दी जाने वाली मात्रा में लगभग 3 ग्राम शर्करा की मात्रा होती है, जबकि जर्मनी और ब्रिटेन जैसे अमीर देशों में इसी तरह के उत्पादों में कोई अतिरिक्त शर्करा की मात्रा नहीं होती है। एज़टैक ने इस प्रथा का बचाव करते हुए कहा है कि चीनी की मात्रा स्थानीय नियमों के अनुरूप है। हालांकि, इन उत्पादों पर पोषण संबंधी जानकारी में अतिरिक्त शर्करा के बारे में विवरण का उल्लेख नहीं है।

इस खुलासे ने नागरिक समाज, गैर सरकारी संगठनों (NGOs) और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है, जिनका तर्क है कि शिशु उत्पादों में शर्करा की अतिरिक्त मात्रा खतरनाक और अनावश्यक है। आलोचना के बढ़ने से एज़टैक की प्रतिष्ठा और बाजार में इसकी स्थिति खतरे में पड़ गई है।

श्री वी को एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है। इन शिशु उत्पादों को बाज़ार से हटाने से कंपनी को काफ़ी वित्तीय क्षति हो सकती है, जिससे संभावित रूप से कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है और यहां तक कि कंपनी के बंद होने की संभावना भी हो सकती है, क्योंकि कंपनी की वित्तीय स्थिति पहले से ही ख़राब है। वरिष्ठ प्रबंधन उन पर दबाव बना रहा है कि वे इस मुद्दे का समाधान कंपनी के लाभ को प्रभावित करने वाले किसी बड़े परिवर्तन के बिना करें।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त स्थिति में श्री वी के लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) श्री वी के लिए उपर्युक्त में से कौन-सा विकल्प सर्वाधिक उपयुक्त होगा और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mr. V, recently appointed as the head of Aztack's India division, faces a significant ethical dilemma regarding the company's baby food products. Recently, it has come to public attention that Aztack's baby products in India contain nearly 3 grams of sugar per serving, while similar products in wealthier nations like Germany and the UK have no added sugar. Aztack defends this practice, stating that the sugar levels comply with local regulations. However, the nutritional information on these products omits details about added sugars.

This revelation has sparked backlash from civil society, NGOs, and health experts, who argue that added sugar in baby products is dangerous and unnecessary. The criticism is growing, putting Aztack's reputation and market position at risk.

Mr. V faces a serious challenge. Removing these baby products from the market could result in significant financial losses for the company, potentially leading to employee layoffs and even the possibility of the company shutting down, given its already precarious financial state. The senior management is pressuring him to resolve the issue without making drastic changes that could affect the company's profit.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) Evaluate the options available to Mr. V in the above situation.

(c) Which of the above would be the most appropriate option for Mr.V and why? (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत मुद्दे में विवेकशीलता, न्यायशीलता, व्यापक सार्वजनिक हित तथा कार्य-कुशलता की अपेक्षा है

उपरोक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

1. कंपनी के डबल स्टैण्डर्ड
2. व्यावसायिकता नैतिकता की अवहेलना
3. कंपनी की साख संबंधी मुद्दा
4. विकसित बनाम विकासशील देशों में कंपनियों की कार्यशैली में मानवीय जीवन के प्रति भेदभाव
5. कार्यप्रणाली में एकरूपता का अभाव
6. सामाजिक हित की अनदेखी

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपयुक्त स्थिति में श्री वी० के लिए उपलब्ध विकल्प :-

(1) श्री० वी० अपने पद से तुरंत त्याग पत्र दे दे

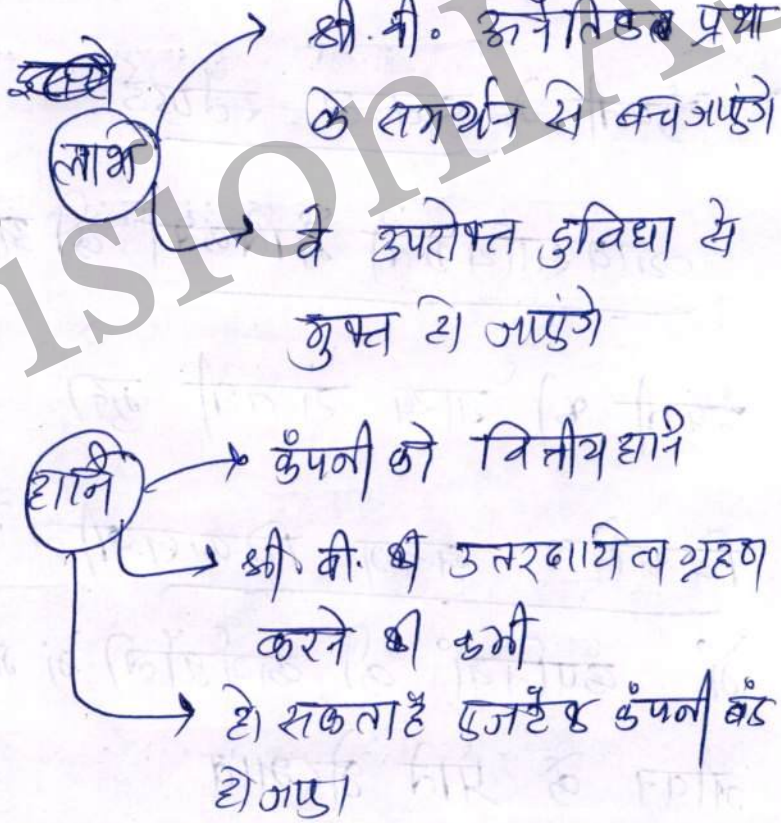

(2) श्री० वी० कंपनी को अपनी गलती स्वीकार करने के लिए कहे और भविष्य में

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बेहतर प्रथा का आश्वासन दें।

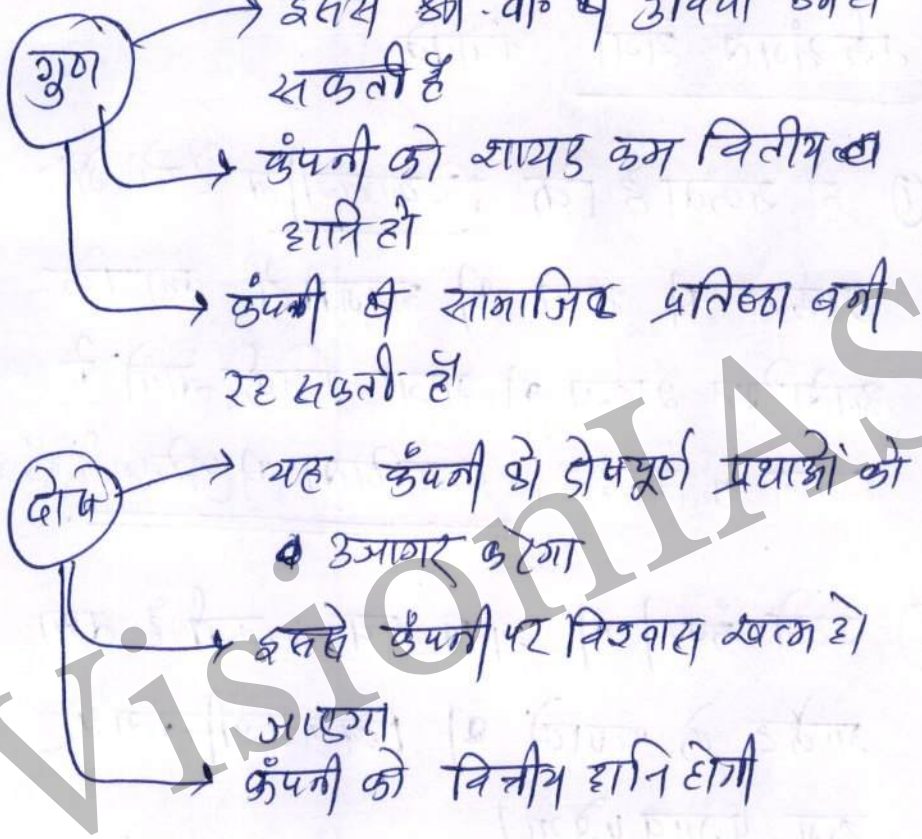

③ की० वी० कंपनी के उत्पादों के बारे में स्थानीय नियमों की अनुपालना की रिपोर्ट तैयार करें और विसंगतियों को सुधारने के लिए कंपनी की रणनीति तैयार करें साथ ही मार्केट में गए उत्पादों के बारे में NGO.. की प्रतिक्रियाओं का तथ्यपरक जवाब तैयार करें।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

<u>श्री० वी० के लिए तीसरा विकल्प अधिक तर्कसंगत होगा</u> क्योंकि :

① हो सकता है कि <u>विकासशील</u> देशों में शर्करा की मात्रा की अनुमति हो क्योंकि अतिरिक्त शर्करा की मात्रा सिर्फ लोगों के ध्यान में आई है, <u>प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं हुई है।</u>

② इससे कंपनी की साख बच सकती है तथा मार्केट के उत्पादों की विक्रयशीलता पर कम प्रभाव पड़ेगा।

③ भावी एडवरटाइज में उत्पाद पर शर्करा की जानकारी प्रकाशित किए जाने का आश्वासन हो।

अतः स्थानीय मानकों के अनुरूप कार्य करके व्यावसायिक नैतिकता की राह पर चल कर ही कोई <u>कंपनी दीर्घकालिक</u> व्यवसाय कर सकती है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. सागर मेहता एक 42 वर्षीय पेशेवर है और उसका कॉर्पोरेट जगत में एक बेदाग रिकॉर्ड है। उसने हाल ही में इंफ्राटेक सॉल्यूशंस नामक कंपनी के CEO का पद धारण किया है। इंफ्राटेक सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी अवसंरचना क्षेत्र की कंपनियों में से एक है। इन्फ्राटेक को सड़कों और पुलों के डिजाइन एवं निर्माण में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है तथा इसने विगत तीन दशकों में एक मजबूत प्रतिष्ठा हासिल की है। यह कंपनी मुख्य रूप से राज्य लोक निर्माण विभागों की परियोजनाओं पर कार्य करती है और कभी-कभी राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुबंध भी प्राप्त करती है।

सागर ने यह पद 15 वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण के परिणामस्वरूप प्राप्त किया था। उसने केवल अपनी प्रतिभा और ईमानदारी के बल पर कॉर्पोरेट जगत में तरक्की की है तथा उसने सदैव नैतिक व्यावसायिक पद्धतियों का पालन किया है। इन्फ्राटेक के CEO के रूप में उसकी नियुक्ति को अक्सर विवादों से घिरे रहने वाले उद्योग में ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा गया।

अपनी नई भूमिका में आठ महीने के बाद, सागर कंपनी को जिस दिशा में ले जा रहा था, उसे लेकर आत्मविश्वास महसूस कर रहा था। उसने नई प्रौद्योगिकियों को लागू किया, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया और अपनी परियोजनाओं में अधिक संधारणीय पद्धतियों के प्रयोग को बढ़ावा दिया।

एक शाम, कुछ वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा करने के दौरान, सागर ने एक पैटर्न देखा कि बड़े अनुबंधों की घोषणाओं से ठीक पूर्व विभिन्न अज्ञात संस्थाओं को बड़ी धनराशि भेजी जा रही थी। उत्सुक और थोड़ा चिंतित होकर, उसने इसकी गहराई से जांच करने का निर्णय किया। उसने पाया कि इंफ्राटेक उन राज्यों में सत्तारूढ़ राजनितिक दलों के सदस्यों के चुनाव अभियानों के लिए पर्याप्त राजनीतिक दान कर रहा था, जहां वे अनुबंधों को प्राप्त करने हेतु बोली लगा रहे थे। ये दान बड़ी सावधानी से समयबद्ध और रणनीतिक रूप से वितरित किए गए थे ताकि कंपनी द्वारा लाभकारी सरकारी परियोजनाओं के अनुबंध प्राप्त करने की संभावना अधिकतम हो सके।

सागर हमेशा साफ-सुथरा कार्य करने के लिए स्वयं पर गर्व महसूस करता था। इस मुद्दे को हल करने हेतु दृढ़ संकल्पित सागर ने इस मामले को बोर्ड की अगली बैठक में उठाया। उसे यह देखकर आश्चर्य और निराशा हुई कि निदेशक मंडल ने न केवल इस प्रथा को स्वीकार किया, बल्कि इसका दृढ़तापूर्वक बचाव भी किया। संदेश स्पष्ट था - बोर्ड को उम्मीद थी कि सागर इस प्रथा को जारी रखेगा तथा कोई भी विचलन न केवल कंपनी की स्थिरता को बल्कि CEO के रूप में उनकी स्थिति को भी खतरे में डाल सकता है।

जैसे ही सागर बैठक से बाहर निकला, उसने महसूस किया कि इस नैतिक दुविधा का बोझ उस पर बढ़ रहा है। एक तरफ, वह कंपनी की सफलता और इंफ्राटेक पर निर्भर हजारों कर्मचारियों की आजीविका के लिए उत्तरदायी था। दूसरी तरफ, अब वह एक ऐसे कृत्य में संलिप्त था जिसे वह नैतिक रूप से संदिग्ध और संभावित रूप से अवैध मानता था।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) सागर के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) उसे क्या कारवाई करनी चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (250 शब्दों में उत्तर लिखिए)

Sagar Mehta, a 42-year-old professional with an impeccable track record in the corporate world, had recently accepted the position of CEO at Infratech Solutions, one of India's largest infrastructure companies. Known for its expertise in designing and constructing roads and bridges, Infratech had built a strong

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

reputation over the past three decades, primarily working on projects for state public works departments and occasionally securing contracts with national agencies.

For Sagar, this role was the culmination of 15 years of hard work and dedication. He had climbed the corporate ladder through sheer talent and integrity, always adhering to ethical business practices. His appointment as CEO of Infratech was seen as a breath of fresh air in an industry often marred by controversies.

Eight months into his new role, Sagar was feeling confident about the direction in which he was steering the company. He had implemented new technologies, streamlined processes, and was pushing for more sustainable practices in their projects.

One evening, while reviewing some financial documents, Sagar noticed a pattern of large outflows to various obscure entities just before major contract announcements. Intrigued and slightly concerned, he decided to dig deeper. He found out that Infratech had been making substantial political donations to the election campaigns of ruling party members in states where they were bidding for contracts. These donations were carefully timed and strategically distributed to maximize the company's chances of securing lucrative government projects.

Sagar had always prided himself on running clean operations. Determined to address this issue, Sagar raised the matter at the next Board meeting. To his shock and dismay, the Board of Directors not only acknowledged the practice but also strongly defended it. The message was clear – the Board expected Sagar to continue this practice, and any deviation could jeopardize not just the company's stability but also his position as CEO.

As Sagar left the meeting, he felt the weight of this ethical dilemma bearing down on him. On the one hand, he was responsible for the company's success and the livelihoods of thousands of employees who depended on Infratech. On the other hand, he was now complicit in a practice that he found ethically questionable and potentially illegal.

(a) State the ethical issues involved in this case.

(b) Evaluate the options available to Sagar.

(c) What should be his course of action? Give reasons to support your answer. (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी में निष्पक्षता, न्यायपरायणता, कर्त्तव्यपरायणता, व्यावसायिक नैतिकता तथा ईमानदारी व सत्यनिष्ठा की सागर से अपेक्षा ग

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हितधारक — कंपनी इंफ्राटेक
→ सागर
→ निदेशक बोर्ड
→ शेयरधारक
→ कर्मचारी
→ राज्य सरकार
→ राजनीतिक दल
→ हितधारक

(a) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

(1) प्रतिस्पर्धा को सीमित करने का प्रयास
(2) बोली प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की संभावना
(3) कंपनी की सत्यनिष्ठा से अलगाव
(4) व्यावसायिक नैतिकता की विकृति
(5) राजनीतिक दलों द्वारा शक्ति का

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दुरुपयोग

⑥ सागर की कार्यकुशलता व प्रतिष्ठा के साथ ईमानदारी पूर्वक कार्य करने में बाधा।

⑤ सागर के पास उपलब्ध विकल्प

① सागर कंपनी के हितों को महत्व देते हुए इस अनैतिक प्रथा का समर्थन करें।

गुण →
- इससे कंपनी को कोई वित्तीय हानि नहीं होगी
- कंपनी को प्रोजेक्ट मिल सकता है
- सागर की जॉब पर भी कोई खतरा नहीं होगा

दोष →
- यह सागर की मूल्य व्यवस्था के विरुद्ध
- भ्रष्टाचार का समर्थन है
- सागर में अन्तर्द्वन्द पैदा हो सकता है

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) सागर कंपनी के निदेशक मण्डल से यह अपील करें कि ऐसी प्रथा अनैतिक है तथा इसको व्यवहार में न लाया जाये भविष्य में कंपनी की साख को क्षति हो सकती है

गुण → इससे हो सकता है अनैतिक प्रथा का अनुसरण न हो
→ कंपनी व्यावसायिक नैतिकता के पथ पर चल लें

दोष → यह एक आदर्शवादी समाधान है
→ कंपनी वित्तीय लाभ के लिए सागर की इस अनुशंसा को स्वीकार नहीं करेगी।

(3) सागर को अपनी कौशल-कर्मण्यता पर विश्वास है इसलिए वह कंपनी के अनैतिक कृत्य को पब्लिक डोमेन में रखें और इस भ्रष्ट प्रथा का भण्डाफोड़ करें

गुण → भ्रष्टाचार ↓
→ सागर की नैतिकता ↑

दोष → कंपनी को वित्तीय हानि
→ सागर का पद जाएगा

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) सागर को विकल्प नं०(3) के साथ निम्न कार्रवाई करनी चाहिए

(1) सागर की प्रतिष्ठा निरापद है तो वह यह रिस्क ले सकता है

(2) वह कॉर्पोरेट वर्ल्ड में एक ईमानदार की छवि बना सकता है

(3) वह अपनी अन्तरात्मा के संकट व अन्तर्द्वन्द्व से बच पाएगा जो जीवन में संतुष्टि के लिए आवश्यक है

(4) कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भ्रष्टाचार कम होगा

(5) कॉर्पोरेट एथिक्स की अनुपालना बढ़ेगी

अतः सागर को हमेशा नैतिकता के मार्ग पर चलते हुए कॉर्पोरेट में 'बिजनेस एथिक्स' को प्रमोट करने का प्रयास करना चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. आप राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) में एक वरिष्ठ अधिकारी हैं और आपकी प्राथमिक भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि देश भर में प्रवेश परीक्षा के प्रोटोकॉल का एक समान रूप से अनुपालन किया जाए। आप शिक्षा प्रशासन में अपने विगत दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, हमेशा परीक्षा प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं।

पिछले माह, NTA ने देश भर में मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) का आयोजन किया। इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी परीक्षा में 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से प्रत्येक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में सीट प्राप्त करने की अपेक्षा कर रहा था।

हालांकि, परीक्षा के कुछ दिनों के भीतर, आपके कार्यालय में विभिन्न स्रोतों से चौंकाने वाली रिपोर्टें आने लगीं। कई राज्यों में स्थानीय समाचार पत्रों द्वारा कथित पेपर लीक के समाचार प्रकाशित किए जाने लगे। आपके फोन पर चिंतित अभिभावकों और छात्रों के कॉल आने लगे। वे आपको परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की रिपोर्ट कर रहे थे। इसमें अभ्यर्थियों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग करने, कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देने और यहां तक कि प्रॉक्सी अभ्यर्थियों को परीक्षा देते हुए देखे जाने के दावे शामिल थे।

जैसे-जैसे ये रिपोर्टें आपके सामने आती हैं वैसे-वैसे स्थिति तेजी से बिगड़ती जाती है। राष्ट्रीय मीडिया ने इस समाचार को प्रमुखता से उठाया और जल्द ही यह प्रत्येक समाचार चैनल की सुर्खियों में आ गया। सोशल मीडिया पर "जस्टिस फॉर स्टूडेंट" हैशटैग के साथ व्यापक चर्चा होने लगी। अभिभावक संगठन आपके कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तथा पुनर्परीक्षा के साथ दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग कर रहे थे।

इस अव्यवस्था के बीच, आपको शिक्षा मंत्री का फोन आता है, जो स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हैं। आप पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बहुत अधिक है, लेकिन आप यह जानते हैं कि बिना गहन जांच के जल्दबाजी में लिए गए किसी भी निर्णय के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

इस पेशेवर चुनौती के मध्य आपको एक व्यक्तिगत दुविधा का सामना करना पड़ता है जिससे यह मामला और अधिक जटिल बन जाता है। आपकी बेटी ने भी इस वर्ष NEET परीक्षा दी थी। वह दो वर्ष से तैयारी कर रही थी और प्रायः देर रात तक अध्ययन करती थी।

प्रारंभ में, आपकी बेटी अपनी परीक्षा के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित थी। किंतु अनियमितताओं के समाचारों के बाद से, आपने उसके व्यवहार में परिवर्तन देखा है। वह असामान्य रूप से चुप रहती है तथा रात के भोजन के दौरान नजरें चुराती है एवं अपने कमरे में ही अधिक समय व्यतीत करती है।

एक शाम, असहनीय तनाव के कारण आप अपनी बेटी से बातचीत करते हैं। बहुत समझाने के बाद, वह टूट जाती है और रोते हुए स्वीकार करती है कि उसने कुछ राशि के बदले एक निजी सोशल मीडिया चैनल के माध्यम से लीक हुए कुछ प्रश्न प्राप्त किए थे। वह दावा करती है कि उसे यकीन नहीं था कि वे प्रश्न वास्तविक थे, किंतु फिर भी उसने उनकी तैयारी की। अब वह आपसे कोई कार्रवाई न करने की विनती करती है।

इस स्थिति में आप अपने पेशेवर कर्तव्य और अपनी बेटी के प्रति अपने प्रेम के बीच दुविधा में उलझ जाते हैं, तो आपको आपके निर्णय के बोझ का एहसास होता है। ऐसे में संपूर्ण परीक्षा प्रणाली की सत्यनिष्ठा के साथ लाखों छात्रों का भविष्य भी दांव पर लगा है, जिसमें आपकी बेटी भी शामिल है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) परीक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति के रूप में, आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a senior official in the National Testing Agency (NTA) and your primary role is to see if the entrance exam protocols are followed uniformly across the country. With over two decades of experience in education administration, you have always prided yourself on your commitment to fairness and transparency in the examination process.

Last month, the NTA conducted the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) for medical admissions across the country. Over 2 million aspirants appeared for this highly competitive exam, each hoping to secure a seat in prestigious medical colleges.

However, within days of the exam, your office is inundated with alarming reports from various sources. Local newspapers carry stories of alleged paper leaks in several states. Your phone rings constantly with calls from concerned parents and students reporting irregularities at exam centers - claims of candidates using mobile phones, some being granted extra time, and even sightings of proxy candidates taking the test.

As you grapple with these reports, the situation escalates rapidly. National media picks up the story, and soon it's the headline on every news channel. Social media is abuzz with hashtags demanding justice for the students. Parents' associations are organizing protests outside your office, calling for a re-examination and severe punishment for the culprits.

Amidst this chaos, you receive a call from the Education Minister, who expresses grave concern over the situation and demands immediate action. The pressure to act swiftly is immense, but you know that a hasty decision without thorough investigation could have far-reaching consequences.

As if the professional challenge was not daunting enough, you face a personal dilemma that threatens to complicate matters further. Your daughter also took the NEET exam this year. She had been preparing for two years, often studying late into the night.

Initially, your daughter had been ecstatic about her performance in the exam. However, since the news of irregularities broke, you have noticed a change in her behavior. She has been unusually quiet, avoiding eye contact during dinner, and spending more time alone in her room.

One evening, unable to bear the tension, you confront your daughter. After much prodding, she breaks down and confesses. Tearfully, she admits to having accessed some leaked questions through a private social media channel, in exchange for money. She claims she was not sure if they were genuine, but prepared them anyway. She is now pleading with you to not take any action.

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

As you stand there, torn between your professional duty and your love for your daughter, you realize the weight of the decision before you. The integrity of the entire examination system hangs in the balance, as does the future of millions of students - including your own child.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) As a person responsible for ensuring exam protocols, what are the options available to you? What course of action will you follow and why?(Answer in 250 words) 20

इस प्रकरण में एक लोक सेवक के रूप में मुझसे निष्पक्षता, न्याय के प्रति प्रतिबद्धता, तटस्थता व भावनात्मक बुद्धिमता जैसे मूल्यों की अपेक्षा की गई है।

प्रकरण में शामिल हितधारक

- लाखों छात्र
  - मैं तथा NTA
  - मेरा परिवार
  - लाखों छात्रों के परिवार
- सरकार
- मीडिया

प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

(1) परीक्षा प्रणाली में निष्पक्षता का अभाव

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② पेपर लीक से गलत लोगों को लाभ

③ पढ़ने वाले छात्रों पर मानसिक दबाव

④ मेरी बेटी द्वारा भी अवैधानिक प्रक्रिया में शामिल होना जो मूल्यों की कमी को दिखाता है

⑤ NTA की निष्पक्षता व विश्वसनीयता

⑥ सामाजिक-राजनीतिक प्रतिक्रियाओं के मध्य उचित निर्णय व त्वरित निर्णय लेने में दुविधा

⑦ पारिवारिक दबाव

⑤ परीक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए विकल्प

① मैं सभी आलोचनाओं के साथ यह समझ लूँ कि मुद्दा कुछ दिनों में शांत हो जाएगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) मैं परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता न सुनिश्चित कर पाने के कारण पद त्याग कर दूँ

(3) मैं शिक्षा मंत्री के फोन के कारण त्वरित प्रतिक्रिया के लिए NEET परीक्षा रद्द करने व दुबारा आयोजित करने की प्रक्रिया पब्लिक में प्रेस नोट से प्रकाशित करूँ.

(4) मैं उक्त मुद्दे की गंभीरता व लाखों छात्रों की चिंता के मद्देनजर तथ्यों के आधार पर कमिटी गठित कर तथ्यों की जाँच व माननीय न्यायालयों के साथ कमिटी की सिफारिश के आधार पर पदीय कर्तव्य का निर्वहन करूँ।

मेरी कार्रवाई उपरोक्त विकल्प (4) के अनुसार होगी क्योंकि

(1) यह सर्वाधिक तर्कसंगत व तथ्य आधारित

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्रवाई है

(2) इससे अनियमितता के आरोपों की सत्यता जाँची जा सकेगी साथ ही तथ्यों के आधार पर आरोपियों पर भी कार्रवाई हो सकेगी

(3) परीक्षा प्रणाली की विसंगतियों से अवगत हुआ जा सकेगा जिससे भविष्य की परीक्षाएँ अधिक दक्षतापूर्ण करवाई जाएगी

(4) परीक्षा को पुनः कराने से अनावश्यक सार्वजनिक धन का दुरुपयोग होगा तथा लाखों छात्रों को मानसिक कष्ट झेलना पड़ेगा।

अतः वरिष्ठ अधिकारी के रूप में निष्पक्षता, तटस्थता, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, भेद-भेदभाव के आधार पर मुझे कार्रवाई करनी चाहिए ताकि संस्था पर भरोसा बना रहे और छात्रों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय न हो।

VisionIAS